अध्याय 4

संवादहीन

लेखक/कवि: मन्नू भंडारी

[गद्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. संवाद का महत्व एवं उसकी कमी के दुष्परिणाम

परिवार एवं समाज में संवाद (संचार) का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। संवाद की कमी से गलतफहमियाँ, भावनात्मक दूरी और पारिवारिक तनाव उत्पन्न होते हैं। विद्यार्थी समझेंगे कि प्रभावी संवाद संबंधों की आधारशिला है।

2. भावनात्मक अभिव्यक्ति की आवश्यकता

विद्यार्थी यह समझेंगे कि अपनी भावनाओं को उचित ढंग से व्यक्त करना क्यों आवश्यक है। भावनाओं को दबाने से अंतर्द्वंद्व और कुंठा उत्पन्न होती है, जबकि सहज अभिव्यक्ति से संबंध सुदृढ़ होते हैं और आपसी समझ विकसित होती है।

3. आधुनिक जीवनशैली में पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन

आधुनिक व्यस्त जीवनशैली, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से परिवार के सदस्यों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी पारिवारिक संबंधों में आए बदलावों पर चिंतन करेंगे।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पाठ का सारांश अपने शब्दों में स्पष्ट एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- संवादहीनता के कारण उत्पन्न समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
- पात्रों की भावनाओं एवं मनोभावों को समझकर व्यक्त कर सकेंगे।

- कठिन शब्दों का अर्थ समझकर उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे।
- संवाद के महत्व को अपने जीवन से जोड़कर समझ सकेंगे।
- प्रभावी संचार के माध्यमों को पहचानने एवं अपनाने में सक्षम होंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "यदि आप किसी से नाराज़ हों और उससे बात न करें, तो क्या परिणाम हो सकते हैं?" विद्यार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे।

व्याख्या विधि: शिक्षक पाठ के अंशों को सरल भाषा में समझाएगा और संवादहीनता के प्रभावों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करेगा।

समूह चर्चा: विषय: "क्या मोबाइल और सोशल मीडिया संवादहीनता के कारण हैं?" — विद्यार्थी पक्ष-विपक्ष में तर्क प्रस्तुत करेंगे।

भूमिका-अभिनय: विद्यार्थी संवादहीन स्थिति और संवादपूर्ण स्थिति का अभिनय करेंगे तथा अंतर समझेंगे।

प्रश्नोत्तर विधि: प्रत्येक अनुच्छेद के बाद प्रश्न पूछकर समझ का मूल्यांकन किया जाएगा।

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- सामाजिक विज्ञान: परिवार और समाज में संबंधों का अध्ययन
- मनोविज्ञान: भावनाओं और व्यवहार का विश्लेषण
- अंग्रेज़ी: संवाद का अनुवाद या सार लेखन
- कला शिक्षा: भावनाओं को चित्र के माध्यम से व्यक्त करना
- मूल्य शिक्षा: सहानुभूति, समझ और संवाद

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, प्रश्नोत्तर और चर्चा में भागीदारी।
- लिखित आकलन: लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
- भूमिका-अभिनय और समूह चर्चा में सहभागिता।
- रचनात्मक लेखन: "संवाद का महत्व" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, रिक्त स्थान, मिलान और व्याख्या-आधारित प्रश्न।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)

- श्यामपट एवं मार्कर
- संवाद आधारित चित्र/पोस्टर
- वीडियो क्लिप (परिवार/संवाद)
- कार्यपत्रक

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- परिवार के सदस्यों के साथ खुलकर संवाद करना।
- अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना।
- गलतफहमियों को बातचीत के माध्यम से दूर करना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: प्रभावी संवाद स्थापित करना।
- आलोचनात्मक चिंतन: समस्याओं के कारणों का विश्लेषण।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता: भावनाओं को समझना और नियंत्रित करना।
- मूल्य शिक्षा: सहानुभूति, सम्मान और समझ।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने संवाद के महत्व को गहराई से समझा?
- क्या वे अपने जीवन में संवादहीनता की समस्याओं को पहचान पाए?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों का पुनः अभ्यास कराया जाएगा।
- पाठ को सरल भाषा में दोबारा समझाया जाएगा।
- कमजोर विद्यार्थियों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त अभ्यास दिया जाएगा।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, पाठ का वाचन, शब्दार्थ एवं प्रारंभिक व्याख्या।
- द्वितीय अवधि: शेष पाठ की व्याख्या, समूह चर्चा एवं भूमिका-अभिनय।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, कार्यपत्रक एवं आकलन।